

“जूनियर हाई स्कूल प्रधानाध्यापक / सहायक अध्यापक चयन परीक्षा वर्ष 2021”

न्यूनतम अर्हता –

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (अध्यापकों की भर्ती एवं सेवा की शर्तें) नियमावली -1978 (सातवां संशोधन) नियमावली, 2019 दिनांक 04.12.2019 के बिन्दु सं 4 द्वारा “न्यूनतम अर्हता” के अनुसार अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक के पदों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि या इस रूप में मान्यता प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा और राज्य सरकार या राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (N.C.T.E.), द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होगी जो निम्नवत् है –

“सहायक अध्यापक” के पद हेतु	“प्रधानाध्यापक” के पद हेतु
<p>प्रारम्भिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (जिस भी नाम से पुकारा जाय या कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ स्नातक तथा शिक्षा स्नातक (बी0एड0) या उत्तर प्रदेश शासन से सम्बद्धता प्राप्त संस्था से डी0एल0एड0/ बेसिक टीचिंग सर्टीफिकेट (बी0टी0सी0) या प्रारम्भिक शिक्षा में चार वर्षीय उपाधि (बी0एल0एड0) या चार वर्षीय बी.ए./ बी.एस.सी. एड या बी.ए.एड/ बी.एस.सी. एड. या कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ बी.ए/ बी.एस.सी तथा एक वर्षीय बी.एड. (विशेष शिक्षा) (भारतीय पुनर्वास परिषद/ RCI द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से) और राज्य सरकार द्वारा अथवा भारत सरकार द्वारा संचालित उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8 तक) की अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET)उत्तीर्ण</p>	<p>प्रारम्भिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (जिस भी नाम से पुकारा जाय या कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ स्नातक तथा शिक्षा स्नातक (बी0एड0) या उत्तर प्रदेश शासन से सम्बद्धता प्राप्त संस्था से डी0एल0एड0/ बेसिक टीचिंग सर्टीफिकेट (बी0टी0सी0) या प्रारम्भिक शिक्षा में चार वर्षीय उपाधि (बी0एल0एड0) या चार वर्षीय बी.ए./ बी.एस.सी. एड या बी.ए.एड/ बी.एस.सी. एड. या कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ बी.ए/ बी.एस.सी तथा एक वर्षीय बी.एड. (विशेष शिक्षा) (भारतीय पुनर्वास परिषद/ RCI द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से) और राज्य सरकार द्वारा अथवा भारत सरकार द्वारा संचालित उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8 तक) की अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET) उत्तीर्ण और बेसिक शिक्षा परिषद के मान्यता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल अथवा उच्च बेसिक स्कूल में पाँच वर्षीय अध्यापन का अनुभव</p>